श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, महिलाओं का अपमान हुआ है (**व्यवधान**) महिला सदस्य का अपमान किया गया है (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर (मध्य प्रदेश) : यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है । (**व्यवधान**) एक महिला विधायक के साथ जो भारतीय जनता पार्टी की विधायक है (**व्यवधान**)

उपसभापति : आप सभी अपनी-अपनी जगह से बोल सकते हैं । मैं सुन लूंगी (**व्यवधान**) कृपया आप सब अपनी-अपनी जगह पर जाइये (**व्यवधान**)

श्रीमती सत्या बहिन : महिलाओं के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : एक महिला विधायिका के खिलाफ ऐसी निंदनीय बात होगी (**व्यवधान**) भारतीय जनता पार्टी का शासन मध्य प्रदेश में हर प्रकार की सीमाओं को लांघता जा रहा है, इसके ऊपर अंकुश लगाने की आवश्यकता है (**व्यवधान**)

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : मुख्य मंत्री की उपस्थिति में एक महिला विधायक के बारे में इस प्रकार का दुर्व्यवहार इस प्रकार के अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल भारतीय संस्कृति पर कलंक है (**व्यवधान**) जिस नैतिकता की बात भारतीय जनता पार्टी करती है (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please go back to your seats. ... (*Interruptions*) ... I would request all of you to go back to your seats and then I will allow... (*Interruptions*) ... I will allow you to mention it. But you please go back to your seats. ... (*Interruptions*) ... All right. I will allow one person... (*Interruptions*) ...

श्री सुरेश पचौरी : मेरे पास विधान सभा की प्रोसीडिंग्स है जिसमें उन्होंने अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया है.... (**व्यवधान**)

SHRI M. S. GURUPADASWAMY (Uttar Pradesh): Madam, I am on a point of order... (Interruptions).. .I have a point of order.. .(Interruptions) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow Mr. Pachouri first.

श्री स य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): कर्नाटक विधान सभा में क्या हो रहा है । (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : भारतीय जनता पार्टी के.... (**व्यवधान**) बैठे बैठे खुश हो रहे हैं ।

उपसभापति : आप लोग पहले अपनी जगह पर चले जाइये.... (**व्यवधान**)

RE. SHAMEFUL BEHAVIOUR OF ONE MEMBER, TOWARDS A LADY MEMBER IN THE MADHYA PRADESH ASSEMBLY

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow Mr. Pachouri first. But all of you should go back to your seats... (Interruptions) ...

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: (Uttar Pradesh): Madam, the issue is a sensitive one; I agree. But what happened in a State Assembly should not be raised in Parliament... *(Interruptions)* ... Let us not create any precedent... *(Interruptions)* ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me give my ruling. But let me hear him first.. (Interruptions) ..

SHRI R. K. DHAWAN (Andhra Pradesh): Madam, at least allow one person to mention it... *(Interruptions)* ...

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: It is a matter pertaining to the Madhya Pradesh Assembly... *(Interruptions)* ... The matter is sensitive enough... (Interruptions)...

THE DEPUTY CHAIRMAN:: I agree with you that It is a matte?

relating to the Assembly. But there have been issues affecting women which we have taken up... *(Interruptions)* ... There have been issues concerning indecent behaviour towards women which we have taken up... (Interruptions)...

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I agree that it is a very sensitive issue... (Interruptions) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me first hear them... (Interruptions) ...

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश) उनको सुनें तो. . . . (व्यवधान)

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : महोदया, पहले इनको बैठाया जाए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me first of all hear what he says... *(Interruptions)* ...

पहले उनको सुन लीजिए ।

SHRI R. K. DHA WAN: Let him speak first and then you speak.. . *(Interruptions)* ...

श्री कलाश नारायण सारंग : उनको सुनें तो. . . . (व्यवधान)

SHRI R. K. DHA WAN; Let Mr. Pachouri speak first . .. *(Interruptions)* ....

श्री सुरेश पचौरी: महोदया, अत्यन्त दर्दनाक और शर्मनाक हादसे की तरफ मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग करता हूं तथा उस भारतीय जनता पार्टी के विधायक के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग करता हूं. . . . (व्यवधान) महोदया, आपने मुझे अवसर दिया है ।

श्री राघव जी (मध्य प्रदेश) : यह विधान सभा का मामला यहां कैसे उठाया जा सकता है । केन्द्रीय सरकार कैसे आब्जेक्शन कर सकती है ।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): If it deals with the dignity of women, it can be raised *here... (Interruptions) ...

उपसभापति : आप ज़रा बैठिये. . . . (व्यवधान) ज़ीरो आवर में आप लोग हर चीज़ को खत्म कर देते हैं। आप बैठिये, एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए ।

You cannot speak together, all you. Please sit down. ... *(Interruptions)...*

श्री राघव जी : गलत बयानी कर रहे हैं ।

श्री सूरेश पचौरी : अभी शुरू ही कहां हुआ हैं जो आप कह रहे हैं कि गलत बयानी कर रहे हैं. . . . (व्यवधान)

श्री कैलाश नारायण सारंग : सुनन का जज्या चाहिए. . . . (व्यवधान) एक तो यह विधान सभा का मामला है. . . . (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me first hear what is agitating allow you... *(Interruptions)*... Let him speak first and then I will allow ... *(Interruptions)* ... Please sit down. Let me first hear Mr. Pachouri and then I will allow you. Please do not) interrupt... *(Interruptions)* ... Let me hear him first and then I will him. I do not know what he is going to say... *(Interruptions)* ...

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: I also wish to speak.. . *(Interruptions)* ...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): आपसे इजाजत ली होगी. . . (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am very sorry. Do not cast aspersions on the Chair... *(Interruptions)* ... Nobody took my permission... *(Interruptions)*

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: आपसे इजाजत लेकर बोल रहे होंगे ।

श्री कैलाश नारायण सारंग : वह आपसे इजाजत लेकर बोल रहे होंगे । आपसे इजाजत ली होगी ।

उपसभापति : मेरी कोई इजाजत नहीं ली है और अगर ली भी है... (व्यवधान)

श्री आर. के. धवन : आप उनको बोलने दीजिए और उसके बाद आप बोल लीजिए। अगर वह गलत कह रहे हैं, तो आप जवाब दे दीजिए। उनको हाउस में कुछ बयान तो करने दीजिए।.... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : आप दोनों की बात सुन लीजिए।

उपसभापति : हां दोनों की बात सुन लेंगे *(Interruptions)* They are agitated. I can hear the voice of Mr. Pachouri. He is sentimentally charged. Let me hear what his problem is. Then I will also allow you to speak. Yes, Mr. Pachouri.

श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी : हमारी बात भी सुन लीजिए।... (व्यवधान)

श्री सुरेश पचौरी : महोदया, मैं उस दर्दनाक हादसे की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं जो मध्य प्रदेश में कल घटित हुई और जिसकी परिणिति इस रूप में हुई, जो मध्य प्रदेश के संसदीय इतिहास में एक कलंक के रूप में देखी जाएगी।

महोदया, जनतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित महिला विधायक ने अपने क्षेत्र में हो रहे डाक्टर के द्वारा किये गये दुर्व्यवहार के बारे में जब शासन का ध्यान आकर्षित करना चाहा, तो उसके साथ टोका-टाकी की गई जब हरिजन आदिवासियों को सुविधा देने की बात कही जा रही थी तब भी यही भारतीय जनता पार्टी के विधायिक ने हरिजन आदिवासियों के बारे में काफी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, उन्हें गद्दार बताया तथा उनके बारे में टिप्पणी की।? मेरे पास उसकी कापी है कि—इस जाति के प्राध्यापकों का शिक्षण स्तर बहुत नीचा है। इसलिए उन्हें मृविधायें नहीं दी जानी चाहिए।

उसके बाद जब उससे इस प्रकार के शब्द वापिस लेने की बात कही गई, तो उन्होंने न तो केवल शब्द वापिस लिये, बल्कि जिन लोगों द्वारा शब्द वापिस लेने की बात कही गई थी, उनको काफी चुनौतियां और धमकियां दी गईं और जब बाबू लाल जी गौड जो वहां के मंत्री हैं, उन्होंने एक कांग्रेसी महिला विधायक के बारे में कुछ कहना चाहा, तो जब पर भारतीय जनता पार्टी के गोपाल भार्गव ने प्वाइंट आफ आर्डर दिया। मेरे पास उसकी भी कापी है—

"**श्री गोपाल भार्गव**—अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर यह है कि गौड़ जी ने उन्हें कुमारी कल्याणी पांडे कहा। तो इस बात के क्या प्रमाण हैं कि वह कुमारी ही हैं".... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please let me hear what he is saying I can give my ruling.

श्री सुरेश पचौरी : यह विधान सभा की प्रोसीडिंग है। जब उनसे वह शब्द वापस लेने की बात की गई, तो भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने अपने शब्द वापिस नहीं लिये। निश्चित रूप से इस पर हंगामा होना स्वाभाविक था। इस पर हंगामा हुआ। जो भारतीय जनता पार्टी नैतिकता और संस्कृति का ढिंढोरा पीटती है, उसने भारतीय अस्मिता के नाम पर यह बहुत बड़ा कलंक दिया है।

उसके बाद परिस्थिति यह हुई, महोदय, कि जब उस महिला विधायक ने अपने बारे में कहे गये शब्दों पर एतराज जाहिर किया और कांग्रेस के अन्य सदस्यों ने जब इस पर घोर आपत्ति प्रकट की और उस भारतीय जनता पार्टी के सदस्य को क्षमा याचना की बात कही गई, शब्द वापिस लेने की बात कही गई, तो उसका परिणाम यह मिला कि उसको चप्पल फैंक कर मारी गई। यह अत्यन्त शर्मनाक और दुखदायी है।

[श्री सूरेश पचौरी]

महोदया, सारे समाचार पत्रों में इस बात का उल्लेख है कि उस महिला विधायक को चप्पलों से मारा गया। चप्पल उसको भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने मारी--उस भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने जिसने उसके साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार किया, चप्पलों से उसकी पिटाई की, उसके खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। वह भारतीय जनता पार्टी का विधायक, जिसने उसके चरित्र के संबंध में इस प्रकार के आपत्तिजनक और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई।

यह सारी घटना मुख्य मंत्री जी की मौजूदगी में हुई और इस सबकी शुरूआत यदि किसी बात पर हुई, तो वह इस बात से हुई कि उसके निर्वाचन क्षेत्र में सदस्य, डा० जैन ने जब उसके साथ दुर्व्यवहार किया था, तो जनतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित महिला विधायक ने जब उसके खिलाफ कार्यवाही करने की मांग भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार से की, तो भारतीय जनता पार्टी की राज्य सरकार न कार्यवाही करना तो दूर रहा, उसके संरक्षण की बात कही, उसको पुरस्कृत करने की बात कही। (**(समय की घंटी)** और वह भारतीय जनता पार्टी का विधायक जिसने इस प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल किया, वह मुख्य मंत्री की मौजूदगी में वहां उपस्थित रहा, उसके खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई।

महोदया, जिस देश में यह कहावत है कि--"यत्र नार्यस्तु पूज्यते, रमंते तत्र देवता" वहां नारी जाति का इस प्रकार का अपमान, वहां नारी जाति के बारे में इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग निश्चित रूप से हम सबके लिए बहुत बड़ा कलंक है और इसके लिए मैं मांग करता हूं कि उन भारतीय जनता पार्टी के संबंधित विधायक के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए, डा० जैन के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए, केन्द्रीय शासन हस्तक्षेप कर निदेश दे कि वह भारतीय जनता पार्टी के विधायक के खिलाफ.... **(समय की घंटी)**

(Interruptions)

You have made your point. Please take your seat.

श्री सूरेश पचौरी : ...खिलाफ कार्यवाही की जाए और राज्य में जो इस प्रकार की निरंकुशता हो रही है, तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बर्खास्त किया जाए और मुख्य मंत्री को, गृह मंत्री को और उन लोगों को, जिन्होंने इस प्रकार का अपमानजनक वाक्य उपयोग किया है, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी, ऐसा मेरा आपके माध्यम से आग्रह है। यह अत्यन्त ही गंभीर मामला है। इससे किसी पार्टी का सरोकार नहीं है, बल्कि यह तो निश्चित मान्यताओं की बात है कि हम किस प्रकार की प्रक्रिया संसद में अपनाना चाहते हैं। हम किस प्रकार का व्यवहार जनतांत्रिक प्रक्रिया से निर्वाचित सदस्य के साथ करना चाहते हैं। इस प्रकार की घटना आपके आदमी के साथ भी भविष्य में हो सकती है।....**(व्यवधान)** इसलिए आप सबको मिल कर ....**(व्यवधान)**

श्री कैलाश नारायण सारंग : आपने उनको आधा घंटा दिया है। मैं भी आधा घंटा बोलूंगा, मैडम।

उपसभापति : वह आधा घंटा बोलें या एक घंटा बोलें, वह मेरी इजाजत पर डिपेंड करता है। Mr. Pachouri, please take your seat.

श्री सूरेश पचौरी : आप सबको उस घटना की भर्त्सना करनी चाहिए और एकजुट होकर मांग करनी चाहिए कि उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए।

श्री कैलाश नारायण सारंग: उपसभापति जी, मैं आपको इस सदन में जो कुछ मेरे मित्र श्री सुरेश पचौरी ने बयान किया है उस पर केवल आश्चर्य ही नहीं व्यक्त करता, बल्कि मुझे बड़ा अफसोस है कि सुरेश पचौरी जैसा व्यक्ति एकतरफा बात कर रहा है।....**(व्यवधान)**

देखिये, आप मत बोलिये । जब आप बोल रहे थे तो मैं नहीं बोला हूं ।

महोदया, जो घटना मध्य प्रदेश विधान सभा में हुई है, वह नितांत ही एक शर्मनाक घटना है । महिला के बारे में जो भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने कहा मैं उसके लिए मेरा भी सर शर्म से झुका है ।

डा. रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : पर उसके बारे में कार्यवाही क्या की गई है ?

श्री कैलाश नारायण सारंग : आप मेरी बात सुनिये । जरा जप्त रखने की कोशिश कीजिए, सुनने की हिम्मत रखिये । मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री, श्री सुन्दर लाल पटवा से आज सवेरे मेरी फोन पर बात हुई है । उन्होंने हाथ जोड़ कर, सदन में खड़े होकर.... (**व्यवधान**) सुनिये, जप्त रखिये ।.... (**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : काहे को रखें । ... (**व्यवधान**)

श्री कैलाश नारायण सारंग : महोदया, आप इनको संभालिये । उन्होंने आखों में आंसू भर कर और हाथ जोड़ कर.... (**व्यवधान**)

कुमारी सईदा खातून (मध्य प्रदेश) : हाथ जोड़ कर और आंख में आंसू भर कर—पर आपको इस सब का टेलीफोन पर कैसे पता चला ?

एक माननीय सदस्य : घड़ियाली आंसू मत बहाओ ।.... (**व्यवधान**)

एक माननीय सदस्य : ऐसा कहने से मामला रफा-दफा नहीं हो जाएगा । .. (**व्यवधान**)

डा. जिनेन्द्र कुमार जैन (मध्य प्रदेश) : शिष्टता रखिये ।.... (**व्यवधान**)

श्री कैलाश नारायण सारंग: उन्होंने आंखों में आंसू भर कर और हाथ जोड़ कर माफी मांगी और कहा कि मध्य प्रदेश विधान सभा के 46 वर्षीय इतिहास की यह सबसे ज्यादा शर्मनाक घटना है और उन्होंने गोपाल भार्गव से कहा कि तुम माफी मांगो और गोपाल भार्गव ने विधान सभा में माफी मांगी ।.... (**व्यवधान**) सुनिये ।

हमने उनको नोटिस दिया है कि तुम्हारा यह एक्शन, यह कृत्य नितांत गलत है । अब इसके बाद क्या हुआ, यह नहीं जानना चाहते हमारे मित्र । इसके बाद कांग्रेस के बारह सदस्यों ने कुर्सियां फेंकी, टेबल तोड़े, स्पीकर के कमरे में जाकर कांच तोड़े, कुर्सियां तोड़ीं । जो बदतमीजी की गई है, वह बड़ी शर्मनाक है और इसके बाद भी किसी ने उस बात पर अफसोस जाहिर नहीं किया । मैं इस सदन में कहना चाहता हूं.... (**व्यवधान**) कि भारतीय जनता पार्टी के लिए नारी की प्रतिष्ठा मां के समान है । हम नारी के लिए अपने जीवन का सर्वस्व अर्पण करने के लिए तैयार रहते हैं । महोदया, यह जो कुछ भी हुआ है उसके लिए हमको अफसोस है । अब इसके बाद हमारे सुरेश पचौरी जी दन साइडेड बात करते हैं । यह शर्म की बात है । जो कुछ हुआ है, वह साफ-साफ बोलना चाहिए । उपाध्यक्षय महोदया, उसके बाद मध्य प्रदेश विधान सभा में यह मामला निपट गया । कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और बी.जे.पी. के वरिष्ठ नेताओं ने बैठकर इस मामले को रफा-दफा कर दिया । उपाध्यक्ष महोदया, जब स्वयं मुख्य मंत्री ने आंखों में आंसू भरकर क्षमा मांगी है, जैसाकि अखबारों में छपा है, इसके बाद भी इस तरह से एसेंबली का मामाला यहां उठाया जाना और भी गलत है । उपाध्यक्ष महोदया, हमे अफसोस एक बात का है, आप भी भोपाल की तहजीब और तमद्दुन में पली हैं, अगर एसेंबली के मामले को यहां उठाने की अनुमति दी जाती है और भी वह दन साइडेड, मुझे बहुत अफसोस है । यह एब्सर्ड का ह्यूमस है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am very sorry to react to it. You said 'one-sided'. Now 1 would request you to withdraw these words that it was one-sided, because this reflects how you feel. I have given the chance to both of you to speak.

श्री कैलाश नारायण सारंग : मैडम, आपका हुक्म सिर आंखों पर । आय विदड्रा । मैडम, मैंने आपको नहीं कहा है । हमने सुरेश पचौरी को कहा है । वह वन साइडेड बोल रहे हैं, आप नहीं बोल रही हैं ।

श्री सुरेश पचौरी : सारी बात जो रिकार्ड में है, वह बोल रहा हूं । यदि आपके पास विधान सभा रिकार्ड की कॉपी हो तो अभी दे दीजिए । मैं चैलेंज करता हूं और आपको दे रहा हूं ।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : महोदया, आपने पचौरी जी की बातें सुनीं और सारंग जी की बातें सुनीं, मैं आपके माध्यम से सदन से कहना चाहता हूं... **(व्यवधान)**

श्री आर. के. धवन : शंकर दयाल जी मैं आपका एक सैकंड लेना चाहता हूं ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मैं अपनी बात खत्म कर लूं । महोदया, पचौरी जी ने बात कही और सारंग जी ने भी बात कही, इसलिए मैं समझता हूं कि अखबारों की जो रिपोर्ट आयी है, उसके अनुसार वहां कांग्रेस के उपनेता कृष्णपाल सिंह और जनता दल के नेता रामानंद सिंह, दोनों ने मिलकर ...**(व्यवधान)**

श्री आर० के० धवन : शंकर दयाल जी, मैं आपका एक मिनट लेना चाहता हूं । मैडम, मैं आपके माध्यम से सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने एक-दूसरे की बात सुनने में शांति रखी और मैं उम्मीद करता हूं कि आगे भी वे इसी तरह शांति का वातावरण बनाए रखेंगे और एक दूसरे की बात सुनेंगे । पचौरी जी ने जो कहा है, उसको उन्होंने माना है कि ऐसी शर्मनाक घटना वहां पर हुई है । अब इनका कहना है कि चीफ मिनिस्टर ने माफी मांगी, लेकिन उस एम.एल.ए. ने अभी कोई माफी नहीं मांगी और ये कहते हैं कि उन्होंने माफी मांगी । इसकी जांच कैसे की जाए ? क्या इस बात से सभी सहमत हैं कि सारा हाउस मिलकर गवर्नमेंट से कहे कि वह इसकी इंक्वायरी कराए... **(व्यवधान)**... आप कहते हैं कि उसने माफी मांगी । क्या आप इसमें सहमत हैं कि सारा हाउस सरकार से कहे कि इस शर्मनाक घटना की जांच की जाए ।

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) : महोदया, यह मामला केवल माफी मांगने से खत्म नहीं हो जाता । महज माफी मांग लेने से बात खत्म नहीं होती । यह भारतीय नारी की अस्मिता और उसकी इज्जत से जुड़ा हुआ प्रश्न है । भारतीय जनता पार्टी हिंदू धर्म और संस्कृति की बात करने वाली पार्टी, उस विधायक पर कार्यवाही कर के यह सबूत दिला दे कि आपके दिल में भी नारी के लिए इज्जत है ।

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया, यह जो मध्यप्रदेश विधान सभा का मामला आया है, यह बहुत गंभीर मामला है । किसी विधान सभा में जो कुछ भी हरकतें होती हैं, जब तक कि वह अपनी सीमा न लांघ जाए और जब तक कि उससे जनतंत्र पर बहुत बड़ा खतरा न पैदा हो जाय, तब तक यह सदन उसकी चर्चा नहीं करता है । महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अभी सारी बातें पचौरी जी ने रखीं और वहां जो भी काण्ड हुआ, उसके बारे में अखबारों में भी आया है कि कांग्रेस विधान दल के उप-नेता श्री कृष्णपाल सिंह और जनता दल के नेता श्री रामानंद सिंह, दोनों ने इस पर तुरंत अपनी प्रतिक्रिया प्रकट की है और जो कुछ उन्होंने कहा है अखबारों में आया है, उसको मैं दोहराना नहीं चाहता हूं । लेकिन, महोदया, मैं एक बात जरूर कहूंगा कि हमारे मित्र और हमारे भाई ने कहा कि पटवा जी ने आंखों में आंसू

जाकर के कहा कि ऐसी शर्मनाक घटना मध्यप्रदेश के इतिहास में चालीस वर्षों में नहीं हुई थी । मैं समझता हूं कि उन्होंने आंखों में आंसू जरूर लाए होंगे, लेकिन वह घड़ियाली आंसू रहे होंगे ।... (व्यवधान)... महोदया, मैं इन बातों को इसलिए कह रहा हूं कि उन्होंने कहा कि मैंने एक्सप्लेनेशन पूछा है । मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जो कुछ उनके दल के एक सदस्य ने इस तरह की हरकत की है और एक महिला सदस्या के साथ की है, उसने कहा कि आप कुमारी लिखती हैं, लेकिन आप कुमारी नहीं हैं, अगर मुख्यमंत्री, जो कि दल के नेता भी होता है, उनके मन में सच में प्रायश्चित की बात होती तो उसी समय प्रस्ताव रखकर अपने उस सदस्य को विधान सभा से निष्कासित करवा देते, दल से उसको निष्कासित करते । मैं समझता हूं कि पटवा जी ऐसा करके उस समय जनतंत्र की लाज बचा लेते ।

महोदया, मैं कह रहा हूं कि ऐसी बातें हुई हैं बहुत बार और मैं बड़े अदब के साथ कहना चाहता हूं कि जो कुछ भी मध्यप्रदेश में हुआ एक महिला सदस्य के साथ हुआ, उससे जनतंत्र पर खतरा पैदा होता है और हम लोग, जो विवेकशील लोग हैं, केवल इसलिए चिंतित होते हैं कि हम कहां जा रहे हैं ? जूते-चप्पल का तो अखबारों में है, कि मध्यप्रदेश विधान सभा में चप्पल चलीं । अगर चप्पल चलती हैं तो दोनों में, तो दोनों ने चप्पल चलाई, लेकिन जो चप्पल चली हैं और दोनों में... (व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर (मध्य प्रदेश) : भारतीय जनता पार्टी ने चप्पल चलाई... (व्यवधान)...

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : अब, जो महिलाएं हैं, उनको बोलने दीजिए ।...(व्यवधान)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, what is this? How long are you going to allow him to speak? (Interruptions)

श्री शंकर दयाल सिंह : महोदया, लेकिन उस चप्पल से चोट किसको लगी ? वह सिर्फ आपको, मुझको नहीं, भारतीय जनतंत्र को चोट लगी है । इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि...(व्यवधान)... बातें तो यहां कर रहे हैं, लेकिन सही तब समझूंगा जब उस सदस्य को विधान सभा से निष्कासित कर दिया जाएगा... (व्यवधान)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order please. All of you, please sit down. (Interruptions) We do not ... (*Interruptions*) ...

SHRI PRAKASH YASHWANT AMBEDKAR (NOMINATED): He is getting into party politics. *(Interruptions)*

डा. रत्नाकर पाण्डेय : कुमारी कल्याणी पाण्डेय को कहा गया कि आप कुमारी नहीं हैं और आप पार्टी-पोलिटिक्स की बात कह रहे हैं । यह तो पूरी नारी जाति का अपमान है।...(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. (Interruptions)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: How can he be allowed to pass such a remark? (Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mrs. Jayanthi Natarajan, please sit down. *(Interruptions)*

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam Deputy Chairman, I am on a point of order. (rnterrup*tions)* A point of order takes precedence over everythings else. *(Interruptions)* I am on a point of order, on a Constitutional issue, Madam. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: All of you, please sit down. Mr. Salve is on a point of order.

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, anything said about the Chair, that is hot permissible, is an untenable proposition.

[Shri N. K. P. Salve]

We are not discussing the proceedings of a Legislature. We do not want to discuss what happened by way of proceedings in a particular Legislature of a State. Please do not look upon this as a political issue—neither my party Members nor other party Members.

Madam, there is a fundamental duty cast on every citizen of India. One of the important Fundamental Duties cast on every citizen of India is—I am referring to article 51A. (e) —'to promote harmony and t*he* spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending reli. gious, linguistic, and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;'. Madam, what is this practice, to say what is the proof whether a lady is a 'Miss' or not? We have our daughters, our granfd-daughters. What is this kind of a thing? And to raise a technical issue that we can't talk about it in this House? What is this House meant for them? Don't you get it from a political point of view. I am satisfied with what your honourable Member has said, except on one issue—whether or not the gentleman apologized and what action your party is going to take. You have said, "A lady to us is like a mother and, for her honour, we are willing to give our lives—that's what you said, Kailash Narain Sahib.

कैलाश नारायण साहिब आपने यह फरमाया है या नहीं, यह बताइयेगा, यह कहा जा रहा है कि उसने माफी नहीं मागी और दूसरी बात भी मैं कहना चाहता हूं कि इस तरीके का जो राउडिज्म हाऊस में होता है, वह चाहे महाराष्ट्र में हो, चाहे मध्य प्रदेश में हो, कहीं भी हो, हम कहीं भी एप्रूव नहीं करते उसको। मैडम, मगर एक बात है कि यह जो हुआ है वहां पर, यह बुनियादी तौर से मानव-गरिमा और मानव-प्रतिष्ठा के बहुत खिलाफ है। यह सवाल उठाना कि इसके बारे में हम यहां बात नहीं कर सकते, बिल्कुल गलत है। हम जरूर बात करेंगे इसकी और कभी ऐसा नहीं होने देंगे, अपने मुल्क में। हमारा अधिकार नहीं, हमारा दायित्व है यह। इसलिये मैं एक बात उनसे जानना चाहता हूं, अव्वल तो यह कि उन्होंने माफी मांगी, इसकी अखबार में कहीं कोई चर्चा नहीं आई है और दूसरे, अगर आप वाकई महिलाओं के प्रति, एक एम०एल०ए० है, आर्डिनरी सिटीजन नहीं है, आपकी पार्टी का एक नेता है, . . . (व्यवधान) . . .

SHRI KRISHAN LAL SHARMA (Himachal Pradesh): Is it a point of order?... (Interruptions)...

श्री एन०के०पी० साल्वे : अगर उसने ऐसी बात की है, तो आपकी पार्टी उस ऊपर क्या कार्यवायी करने वाली है ? यह पार्टी के विषय नहीं है। मैडम इसलिये मेरी यह दरख्वास्त है कि मैडम, तो इस हाऊस में आपने यह चचाए जायज तरीके से उठाने की इजाजत दी, और दूसरे इस मामले को लेकर नहीं तो मैं धवन साहब ने जो कहा उसका समर्थन करूंगा, या तो वे आश्वासन दें या फिर हम यहां पर एक जायज इंक्वायरी करें, इस बात की और इस बात को मालूम करें कि उन्होंने माफी मांगी या नहीं मांगी और उन पर क्या कार्रवाई की गई है ? . . (व्यवधान)।

श्री अजीत जोगी : यह महिलाओं की अस्मिता का प्रश्न है, महिलाओं की अस्मिता को माफी से आप नजर-अंदाज नहीं कर सकते हैं। मुस्करा कर इसको मत टालिए। यह महिलाओं की इज्जत की बात है, अस्मिता की बात है, आदिवासी, हरिजनों की इज्जत की बात है। . . . (व्यवधान) . . .

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, आप मुझे आदेश दीजिए। . . . (व्यवधान) . . .

SHRI MADAN BHATIA (Nominated): Madam, I have a submission to make... *(Interruptions)*...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN); I want to say something, Madam. ... *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute, please. We, as Members, were agitated and the matter seems to be very serious because it is not only the question of a democracy being misused but it is also the respect and dignity of a woman Member. In this House, in this session itself, any disrespect shown to any Member of Parliament, whether male or female, whether belonging to the Congress Party, Janata Party, BJP or any political party, we have taken it very seriously—the dignity of a Member of Parliament. And we do not feel, as the Council of States, that our States also should follow the same but keep the dignity of Parliament or Legislature Members, those who have been elected representatives of the people.

Whatever happened is condemn a - ble. That is why I permitted it. Otherwise we, generally, don't speak about issues taking place in the State Assemblies: we don't discuss the proceedings. We had taken up one issue once before, if I remember. I recollect, I was in the Chair, and there was an issue of some other State where a woman was ill-treated. I think it was Mrs. Jayanthi Natarajan who raised this issue at that time and that was my opinion: Whether it is a woman or a man, the dignity of the elected Members should be maintained if we really believe in the democratic process.

This is my ruling on that.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, a unanimous resolution can be passed. ... (Interruptions) ... Let us pass a resolution.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मैडम, कुमारी कल्याणी के साथ जो व्यवहार किया गया है, वह जनतंत्र के नाम पर कलंक है ।

नारी का अपमान अनल है,
अबला अखिल विश्व का बल है ।।

जो अपमान किया गया है और एक कुंवारी महिला को चप्पल फैंक-फैंककर मारा गया, ...(व्यवधान)...और गोपाल भार्गव ने जिस तरह से उनको अपमानित किया है और उसके बाद इस तरह से घड़ियाली आंसू बहाना, यह सारी नारी जाति का अपमान है । कुमारी कल्याणी पांडे कुमारी है । नारी हमारी मां है, हमारी बहनें हैं, हमारी बेटियां हैं तथा हम समाज में जिंदा रहते हैं और कुमारी कल्याणी पांडे को जिस तरह से मध्य प्रदेश की विधान सभा में अपमानित किया गया है, यह सारे नारी समुदाय का अपमान है ।

जब तक समाज में नारी को, इस तरह से मध्य प्रदेश की विधान सभा में कुमारी कल्याणी पाण्डे को अपमानित किया गया है, यह सारे नारी समुदाय का अपमान है और मैं मांग करता हूं कि विधान सभा को भंग किया जाये और उसके साथ ही इस मामले को प्रिविलेज कमेटी में लिया जाये और एक इंक्वायरी कमेटी केन्द्र सरकार की ओर से सच्चाई का पता लगाये और सदन में बताये ।

श्री राम नरेश यादव : महोदया यह मामला बहुत गंभीर है... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Surendra Singh Thakur, please go back. Just a minute, please. Can two Members speak together? Then you speak along with Pandeyji. I have no objection to that. But this is not the way to come to the well.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, since morning I have been wanting to raise this matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The matter is being raised. Is it not being raised? Can I ask Mr. Pandey and you to speak together? Then, you speak along with him. (Interruptions) Just a minute. Mrs. Jayanthi Natarajan, you are also a Vice-Chairman. You know that if; two persons speak together, nothing can be heard.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I only want to be allowed to speak.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him stop first.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Now he has stopped, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Then, I will allow you. Do you want this Member to be sitting in the well and you speak? Mr. Dhawan spoke. Everybody listened to him. Everybody heard everybody else properly because the matter is serious. If you want to speak together, fine, speak. What can I do because I can only ask you to keep quiet. Beyond that I cannot do anything. This gentleman is from Madhya Pradesh. He perhaps knows the case. He is agitated. He came and sat in the well. Generally he does not do that. So, I feel in my own small wisdom, if I have any, that the Members belonging to the conecrned States, should have the first preference. Then I will allow you as a woman. You go back to your seat. Don't get agitated. All of us are concerned. Otherwise, we would not have taken it up.

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : महोदया, मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि मेरे से पहले आप जयन्ती नटराजन जी को बोलने का मौका दें...(व्यवधान)..

उपसभापति : आप तो अपनी जगह पर जाईये, मैं सुन लेती हूं।

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: Madam, will you allow me also?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you also.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, much has been said on this. I do not want to go into the details. I just want to bring two things to the notice of the House. About the question of apology, the newspapers are very clear that there was no apology. I am not going into that. I do not want to know even what action the BJP is taking.

This Member has to be disqualified from the membership he holds of any Legislature in the country, under the Representation of People Act, and proceedings have to be initiated against him at once.

Secondly, Madam, I ask of all my colleagues, since Mr. Sarang has himself admitted that this has happened and that the question of apology is the only question which is in dispute, to join me in passing a unanimous resolution condemning the incident.. . *(Interruptions)*

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): No.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: No.

SHRI SHANKAR DAYAL SINGH: No resolution.

SHRI KRISHAN LAL SHARMA: On the report of the newspaper, we cannot agree with you. (Interruptions)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, it is very strange that Mr. Ambedkar is objecting to it. If everybody genuinely feels... (Interruptions)

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Madam, she has no right to cast aspersions on the Members who do not support her.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am not casting any aspersions. I am requesting them to join me.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: I request you, Madam, to give a ruling that she has no right to cast aspersions on those Members who do not agree with her.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am moving a resolution.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: What does "genuinely feel" mean?

!

i

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार) : क्यों नहीं मूव कर सकते हो? . . . (व्यवधान) . . .

This House belongs to the States. This is Council of States. We are representing our States. We have got full right to pass a resolution. We have got full right to intervene in this matter. We are talking about condemnation. We want to condemn him.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I feel sorry for those who do not want to support the resolution. (Interruptions)

SHRI MENTAY PADMANABHAM; You condemn him. We have no objeltion. But we have no right to cast aspersions on the Members who do not agree with you.

श्री अजीत जोगी : . . . . (व्यवधान) इसका मतलब यह है कि जनता दल महिलाओं की अस्मिता और महिलाओं की इज्जत पर. . . (व्यवधान) । यह प्रश्न किसी दल का नहीं है. . (व्यवधान)

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, the Members have already expressed their concern. They have expressed their anguish. You have no right to cast aspersions on the Members who do not agree with you. *(Interruptions)* This matter also belongs to the State Assembly. We should not unnecessarily cross into their jurisdiction. *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I know what they feel about the women of this country.

श्री सुरेश पचौरी : उन्होंने जो अपमानजनक बात कही है, उसके लिये आपको कोई आपत्ति नहीं है । उसने महिला के बारे में कहीं, उसके लिये आपको कोई आपत्ति नहीं है. . . . (व्यवधान) ।

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I beg of them not to pass a resolution, not to move a resolution. They should not do that. Don't create a precedent.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: It is a matter concerning the dignity of an Indian woman. If they don't Join me, let them not join. I am proposing it. Let them reject it. Anybody can reject it. I have no problem, but let me propose it. Let us show who is standing for the dignity of the woman.

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra) : Let the people of India know who is for this thing and who is against this thing.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN; Madam, I hereby move that this entire House... *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Under which rule are you moving it? You must quote the rule. There is a procedure for passing a resolution.

SHRI KAILASH NARAIN SARANG: The hon. Member's concern is not genuine. Even in the Youth Congress meeting, a youth worker assaulted a lady worker of their own party. What have you to say about it?

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Under what rule is she moving? Has she taken your permission.? It cannot be done like that. Any Member cannot move any resolution whenever she or he likes.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Under Rule 267 rules are suspended. *(Interruptions)*

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : कोई आड़ में आप अपने इस चेहरे को छिपा नहीं सकते हो. . . (व्यवधान) । कोई नकाब मत लगाओ, अपने चेहरे पर, आपका चेहरा साफ दिख रहा है. . . (व्यवधान) ।

श्री कैलाश नारायण सारंग : कांग्रेस क्या करता है, हमको मालूम है. . . (व्यवधान) । नागपुर के अधिवेशन में महिलाओं के साथ अत्याचार किया गया था. . (व्यवधान) नागपुर का अधिवेशन भरतपुर का अधिवेशन, दिल्ली का अधिवेशन . . . (व्यवधान) ।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : सिर्फ* हो तुम लोग . . . (व्यवधान) भारतीय संस्कृति के नाम पर महिलाओं का अपमान करके आपने सारे महिला समाज को कलंकित किया है. . . (व्यवधान) ।

श्री कैलाश नारायण सारंग : पाण्डेय जी, तुम्हारे यहां पर कांग्रेस के लोगों ने कांग्रेस की महिलाओं के साथ क्या किया है, यह मालूम है. . . (व्यवधान) ।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : इन्होंने क्या कहा है? कांग्रेस के लोग कांग्रेसी महिलाओं के साथ क्या करते हैं, यह बताओ. . . (व्यवधान) । क्या कहना चाहता है, यह आदमी. . . (व्यवधान) ।

श्री सुरेश पचौरी : मैडम, यह सारंग जी ने जो कहा है. . . (व्यवधान)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : अभी कहा मैडम, कांग्रेसी लोग कांग्रेसी महिलाओं के साथ क्या करते हैं. . . (व्यवधान) ।

श्री सुरेश पचौरी : आप रिकार्ड देख लीजिये, मैडम, अभी इन्होंने कहा है . . . (व्यवधान) । That remark should be expunged.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, don't allow a resolution to be moved. It is a wrong precedent.

डा. रत्नाकर पाण्डेय : इन्होंने कहा है कि कांग्रेस के लोग कांग्रेस की महिलाओं के साथ क्या करते हैं, यह बतायें. . . (व्यवधान) । इसे भी मध्य प्रदेश का सदन बनाना चाहते हैं. . . (व्यवधान)

श्री सुरेश पचौरी : मैडम, आप रिकार्ड देख लीजिये ।

उपसभापति : मैं रिकार्ड देख लूंगी... (व्यवधान) Mrs. Jayanthi Natarajan, now you had enough. Please sit down. Look, we have never passed any resolution in the House and we are not going to form a kind of a precedent, though we all feel that the respect of an elected Member—man or woman, especially a woman—should be maintained. Such aspersions, such comments should not be made either in this House or in any House in India. That is all.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I withdraw my resolution.

कुमारी सईदा खातून : सारंग जी को आपने अलफाज वापस लेने चाहियें; क्या कहा उन्होंने अभी. . . (व्यवधान) ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : महिलाओं के सम्मान के प्रति हम भी उतने ही जागरूक हैं. . . (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will look into the record.

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, laws don't permit this House to move such a resolution.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't permit it.

SHRI N. K. P. SALVE: But what Mrs. Natarajan says is a valid point. Let us wring a legislation in the Representation of the People Act that any person guilty of denouncing or acting derogatory to the dignity of a woman will be disqualified.

SHRI PRAKASH YASHWANT AMBEDKAR: I support this resolution.

SHRI N. K. P. SALVE: Madam, I go one step further. The real issue is whether the gentleman has apologised; and the real issue is What action has been taken. If you are really sorry for what has happened, then, why is not the Leader of the BJP Party reacting?

*Expunged as ordered by the Chair,

SHRI SIKANDER BAKHT (Madhya Pradesh): You ask your party Members to sit down. Then, I promise you, I will react. I cannot say anything in this din.

SHRI MADAN BHATIA: This incident shows gross misuse of democracy that sums up the real import of what has happened yesterday.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That has been said already. *(Interruptions).* I have already said it. ... *(Interruptions)* ... I gave my ruling.

SHRI MADAN BHATIA: I am submitting this issue of indignity against women of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes is a question of far-reaching national importance. This matter cannot be ignored. ... *(Interruptions)* ... I am respectfully submitting, as my hon. friend read it before you Article 39A.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has already read it out. Please don't repeat, it.

SHRI MADAN BHATIA: The Representation of the People Act should be amended to provide that if any elected representative uses the floor of the House to indulge in indignities against women of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, he shall immediately stand disqualified. I shall request, through you, the Government to come forward and make a statement and give an assurance *to* this House that this Act will be suitably amended. A proper Bill for amendment of the Act should be brought forth in this very session to provide that any elected representative, whether of the Parliament or of the Assembly who indulges in indignity by using the floor of the House against women of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes shall stand immediately disqualified. 1 demand that this Bill should be brought forth in this very session itself. ...*(Interruptions)*...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अगर कानून बनाना है, तो सबके लिये बनाओ। बड़ी अच्छी बात कही है, भाटिया जी ने। ...(व्यवधान) कहीं पर भी महिला का अपमान हो, तो वह दण्डित होगा... (व्यवधान)

THE PRAKASH YASHWANT AMBEDKAR: This is a very good suggestion. The Government should accept it.
... (Interruptions) ...

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: He cannot discriminate between the two actions. ...(Interruptions)... An eminent lawyer like Mr. Bhatia should know ... (Interruptions) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Bhatia, please take your seat. ... .. . *(Interruptions)*... Since the matter is serious, let us take it seriously. Let us not go beyond the purview of this subject. .. . (Interruptions) ... Mathur saheb, already there are laws protecting the dignity of men and women in this country. Mr. Bhatia is speaking regarding the dignity of the Members of Parliament. You know very well, just a few days ago we discussed a matter relating to an hon. Member of this House, Mr. Baby. When this matter came to the notice of the Chairman, he immediately referred the matter to the Privileges Committee without taking opinion from the Government. Mr. Baby was insulted by a policeman outside the House. But if a woman 'vidhayak' is toeing spoken about so rudely and in a derogatory manner, if she is being beaten by 'chappal', don't you thing we should talk about it?

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: I am not objecting to that. (Interruptions).

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you.

डा. रत्नाकर पाण्डेय : चप्पल फेंक कर मारा है। (व्यवधान)

श्री राघव जी : महिला को चप्पल से नहीं पीटा गया। यह गलत बात है। (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : मैं कैलाशनारायण सारंग का सम्मान करता हूं जो भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं.... (व्यवधान) मैं आपके सामने दो-तीन बिंदु रखना चाहता हूं। (व्यवधान) मैं आपके समक्ष यह निवेदन करना चाहता हूं कि विधान सभा के रिकार्ड को जोकि हमारे पास उपलब्ध है उसको चैक करने के बाद, इसमें भारतीय जनता पार्टी के भी सम्मानित सदस्य शामिल हैं वे भी इस रिकार्ड को चैक कर लें जो यहां राज्य सभा में उपस्थित हैं अगर उसके बाद वह यह मानते है कि कुमारी कल्याणी पाण्डेय जो जबलपुर की विधायिका हैं उनके साथ उनके क्षेत्र में तैनात डा० जैन ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया है ... (व्यवधान)

डा. रत्नाकर पाण्डेय : डा० जैन के रिश्तेदार हैं। (व्यवधान)

डा. जिनेन्द्र कुमार जैन : इनसे माफी मंगवाइये।

उपसभापति : पाण्डेय जी ऐसी बात मत कहिये। (व्यवधान)

डॉ. रत्नाकर पाण्डेय : जब भी डा० जैन का नाम लिया जाता है तब ही यह खड़े हो जाते हैं, यह उनके रिस्तेदार हैं क्या ? (व्यवधान)

उपसभापति : ऐसा नहीं कहिये। आप देश की महिलाओं के बारे में बोल रहे हैं, बात उसके रिश्तेदार की थोड़े ही है। आखिर हम गरिमा की बात कर रहे हैं इसलिए इस मामले को इतना लाइटली मत लो। (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : मेरा दूसरा निवेदन यह है कि कैलाश सारंग जिनका मैं बड़ा सम्मान करता हूं उन्होंने अभी कहा कि पचौरी जी ने अपने पहले वक्तव्य में यह कहा यह बात पूर्णतः एकतरफा है। मैं उनसे तीन बातें पूछ रहा हूं। क्या वह यह बात मानते हैं कि कुमारी कल्याणी पाण्डेय को गोपाल भार्गव जो भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं उन्होंने यह नहीं कहा कि क्या कुमारी कल्याणी पाण्डेय को कुमारी लिखने का अधिकार है ? क्या इसकी जांच की गई ? अगर कैलाश सारंग जी इस बात को मना करते हैं कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा है तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। (व्यवधान) अगर वह यह स्वीकार करते हैं और उस भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित विधायक गोपाल भार्गव ने ऐसा बोल है तो फिर भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित सभी सांसद जिसमें सिकन्दर बख्त साहब हैं, डा. जैन, सुषमा स्वराज, कैलाश सारंग और राघव जी आदि सारे लोग हैं उनकी क्या प्रतिक्रिया है ? (व्यवधान)

उपसभापति : आप समय दें तो सिकन्दर बख्त जी से कहूं। यदि वह कुछ कहना चाहें तो कहें। (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : जो वक्तव्य उन्होंने दिया है वह उचित है या अनुचित ... (व्यवधान)

उपसभापति : सिकन्दर बख्त कुछ कहना चाहें तो उन्हें बोलने दीजिए पांच मिनट बाकी हैं। (व्यवधान)

कुमारी सईदा खातून : हम भी महिला हैं पहले हमें बोलने दीजिए उसके बाद वह बोल लें। (व्यवधान)

उपसभापति : पांच मिनट बचे हैं हाउस एडजोर्न होने में, अगर आप चाहते हैं कि सिकन्दर बख्त साहब रिएक्ट करें, वह लीडर आफ द भारतीय जनता पार्टी भी हैं तो कृपया यह समय उनको दे दीजिए। (व्यवधान)

कुमारी सईदा खातून : मेरे बोलने के बाद दीजियेगा।

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जो हरिजन आदिवासी भाइयों के बारे में गोपाल भार्गव ने बोला है कि वह गंवार हैं, नासमझ हैं, उनको कोई परमोशन का हक नहीं है अगर इस टिप्पणी से वह इन्कार करते हैं तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। (व्यवधान)

उपसभापति : अब हो गया, आप बैठ जाइये।

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : जयन्ती नटराजन जी ने कहा है कि हम लोग राज्य सभा के सदस्य हैं, विधायक चुनकर भेजते हैं, हमारा फर्ज बनता है कि उनके सम्मानित अधिकारों की रक्षा करें यहां सदन में बैठ कर । यह मेरे अकेले का नहीं पूरे सदन का फर्ज बनता है । **(व्यवधान)**

उपसभापति : बैठ जाइये ।

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : मैं एक बात कहना चाहता हूं ...

उपसभापति : आपने कह दिया, अब बैठ जाइये।

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : मैं चाहता हूं कि गोपाल भार्गव को विधान सभा से निष्कासित किया जाय वरना केन्द्रीय सरकार द्वारा मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार को भंग किया जाये ।

उपसभापति : देखिये, सवाल श्रीमती जयंती नटराजन ने उठाया, आपने उठाया, सुरेश पचौरी जी ने उठाया, साल्वे साहब बोले, उधर से सारंग साहब बोले, माथुर साहब ने रीऐक्ट किया । अब सिकन्दर बख्त साहब बोलना चाहते हैं ... **(व्यवधान)** ... एक मिनट रुकिये, जरा मेरी बात सुनें । कितने लोग तीन मिनट में बोल सकते हैं ? ... **(व्यवधान)** ... यहां सवाल यह नहीं है कि कितने लोग इस मुद्दे पर बोलें । इस मुद्दे की सीरियसनेस के सवाल पर सभी सहमत हैं कि यह जो हुआ है यह गलत हुआ है । ऐसा आइंदा कभी नहीं होना चाहिये । ... **(व्यवधान)** ... मैं रूलिंग क्या दूं ? कल ही मैंने कहा था कि या तो आप मेरी रूलिंग न मांगा करें और जब मांगते हैं तो अगर उसके ऊपर टिप्पणी होगी, एक्सपेंशन होगा Then, I do not know what I should say because everybody is expanding my ruling. That is not my ruling. My ruling is that we should maintain the dignity of the House whether it is Lok Sabha, Bajya Sabha or the Assemblies. We should maintain the dignity of the elected representatives of the people if we really believe in democracy and I am sure, when Shri Sikander Bakht speaks, he is going to say the same thing. I hope so. *(Interruptions)* .

कुमारी सईदा खातून : मुझ भी इस पर बोलना है, मुझे बोलने दीजिये ।

श्री सिकन्दर बख्त : आप मुझे से पहले बोलिये । मैं महिला का अपमान नहीं करूंगा ।

†[شری سکندر بخت : آپ مجھ سے پہلے بولئے - میں مہیلا کا اپمان نہیں کروں گا ۔]

कुमारी सईदा खातून : आप मेरी बात का जवाब दे दीजियेगा ।

उपसभापति : आप जवाब दे दीजियेगा ।

कुमारी सईदा खातून : उपसभापति महोदया, मेरा अनुरोध है कि कैलाश सारंग जी ने इस बात को अ सेप्ट किया है कि पिछले 40 सालों में मध्य प्रदेश में इतनी शर्मनाक घटना नहीं हुई जो मध्यप्रदेश विधान सभा में हुई है । 40 साल की बात का हिसाब तो आप बाद में लेते रहियेगा पर इनके शासन में महिलाओं पर अत्याचार की यह दूसरी घटना है । तलैया कांड के बाद से यह दूसरी घटना है । वहां हरिजन महिलाओं पर अत्याचार हुआ था । उस बारे में आप लोगों ने कोई इन्क्वायरी नहीं चलाई और हम लोगों को कोई जवाब नहीं दिया । हमने यहां महिलाओं पर अत्याचार का क्वेश्चन रेज किया था और आज इस हाउस में आज इसे फिर दुबारा रेज कर रहे हैं । यह शासन, ये लोग महिलाओं को बेइज्जत करने पर तुले हुए हैं । ... **(व्यवधान)** ... यह इतनी शर्मनाक घटना है । मेरा आपसे अनुरोध है कि जो लोग महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं उनको शासन करने का कोई हक नहीं है ।

†[] Transliteration in Arabic Script.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, जिस इंसीडेंट का जिक्र सुरेश पचौरी जी की बात से शुरू हुआ, वह शर्मनाक था और शर्मनाक के लफ्ज को मैं कितनी हजार मल्टीप्लाई करूं, बुरा था, भद्दा था, बेहूदा था, नहीं होना चाहिये था । हमारी पार्टी के सदस्य कैलाश सारंग जी ने असेंबली की तफसीलात हाउस के सामने रखी है । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस इंसीडेंट के बाद माफी मांगी है । मैं आंसुओं का जिक्र इसलिये नहीं कहता हूं क्योंकि हमारे दूसरे अजीज साथी को आंसुओं से परेशानी थी कि वह आंसू सच्चे थे या घड़ियाली थे । लेकिन उन्होंने माफी मांगी है यह हकीकत है और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो चुकी है ।

†[شری سکندر بخت (مدھیہ پردیش) : صدر صاحبہ - جس ازسیڈنٹ کا ذکر سریش پچوری جی کی بات سے شروع ہوا - وہ شرمناک تھا اور شرمناک کے لفظ کو میں کتنی ہزار ملٹی پلائی کروں - بُرا تھا - بھدا تھا - بیہودہ تھا - نہیں ہونا چاہئے تھا - ہماری پارٹی کے سدسیئے کیلاش سارنگ جی نے اسمبلی کی تفصیلات ہاؤس کے سامنے رکھی ہے - مدھیہ پردیش کے مکھیہ منتری جی نے اس ازسیڈنٹ کے بعد معافی مانگی ہے - میں آنسوؤں کا ذکر اسلئے نہیں کرتا ہوں کیونکہ ہمارے دوسرے عزیز ساتھی کو آنسوؤں سے پریشانی تھی کہ وہ آنسو سچے تھے یا گھڑیالی تھے - لیکن انہوں نے معافی مانگی ہے - یہ حقیقت ہے اور انکے خلاف کارروائی شروع ہوچکی ہے -]

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : केवल माफी मांगने से काम नहीं चलेगा । उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गयी है ।... (व्यवधान)....

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा,.. (व्यवधान)....मुझे यह कहना है.. (व्यवधान)....बैठिये, खामोश.... (व्यवधान)....मैं अर्ज करूंगा.... (व्यवधान)....

†[شری سکندر بخت: صدر صاحبہ ... (مداخلت) .. مجھے یہ کہنا ہے ... (مداخلت) .... بیٹھئے - ... خاموش ... (مداخلت) ... میں عرض کروں گا - ... (مداخلت) ...]

उपसभापति : बता रहे हैं, बताने दीजिये । बैठिये....(व्यवधान)...

श्री सिकन्दर बख्त : हमें अपनी पार्टी के मेंबर के खिलाफ क्या करना है या मुआफिक क्या करना है, इसकी इजाजत हमें किसी दूसरे साथी से नहीं लेनी है । लेकिन कार्रवाई उनके खिलाफ शुरू कर दी गई है और यह हमारी नीयत की सफाई की निशानी है । इसमें बिला सबब एक बात को दोहराने से और गुल मचाने के कोई मायने नहीं हैं ।....(व्यवधान)

†[شری سکندر بخت : ہمیں اپنی پارٹی کے ممبر کے خلاف کیا کرنا ہے - یا موافق کیا کرنا ہے - اسکی اجازت کسی دوسرے ساتھی سے نہیں لینی ہے - لیکن کارروائی ان کے خلاف شروع کر دی گئی ہے - اور یہ ہماری نیت کی صفائی کی نشانی ہے - اسمیں بلا سبب ایک بات کو دھرانے سے اور غل مچانے کے کوئی معنی نہیں ہیں - .... (مداخلت) ....]

THE DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned for lunch till 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty_three minutes past two of the clock, The Vlice-Chairman (Shri Shankar Dayal Singh) in the Chair.

†[]Transliteration in Arabic Script,